

भारत सरकार  
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 3793

बुधवार, 18 दिसंबर, 2024 को उत्तर देने के लिए

शुक्रयान मिशन

3793. श्री अनन्त नायक :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या सरकार ने अपने शुक्रयान मिशन को अंतिम स्वीकृति दे दी है;
- (ख) यदि हाँ, तो इसके लक्ष्यों और उद्देश्यों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) इसरो द्वारा उक्त मिशन को कब तक आरंभ किए जाने की संभावना है;
- (घ) इसके आरंभ होने तक इस पर कुल कितनी धनराशि व्यय की गई/किए जाने की संभावना है;
- (ङ) भारत का पहला अंतरिक्ष केंद्र कब तक स्थापित कर दिया जाएगा;
- (च) क्या इसरो अंतरिक्ष में अपनी पहली कृत्रिम बुद्धिमता प्रयोगशाला स्थापित करने/आरंभ करने जा रहा है;
- (छ) यदि हाँ, तो उक्त अंतरिक्ष प्रयोगशाला की प्रमुख विशेषताएं, इसके लक्ष्य और उद्देश्य क्या-क्या हैं;
- (ज) यह अंतरिक्ष अन्वेषण और ऐसे अन्वेषण के क्षेत्र में भारत को संपूर्ण विश्व में एक शक्तिशाली शक्ति के रूप में स्थापित करने में किस प्रकार सहायक होगा; और
- (झ) इस पर कुल कितनी धनराशि व्यय होने की संभावना है?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय  
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री  
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

\*\*\*

- (क) जी, हाँ। शुक्र कक्षीय मिशन (वीओएम) को स्वीकृति दे दी गई है।
- (ख) शुक्र कक्षीय मिशन (वीओएम) के प्रस्ताव का उद्देश्य शुक्र की सफलतापूर्वक परिक्रमा करना और शुक्र की सतह तथा उपसतह, वायुमंडलीय प्रक्रियाओं एवं शुक्र के वायुमंडल पर सूर्य के प्रभाव को बेहतर ढंग से समझना है। यह मिशन हमारे देश के प्रौद्योगिकीविदों और वैज्ञानिक समुदाय को वैश्विक समुदाय से पहले शुक्र के विज्ञान को और अधिक जानने व समझने का अवसर प्रदान करेगा। भारतीय शुक्र मिशन से कुछ उल्काएँ वैज्ञानिक प्रश्नों के उत्तर मिलने की उम्मीद है जिसके परिणामस्वरूप विभिन्न वैज्ञानिक परिणाम प्राप्त होंगे।

- (ग) मार्च, 2028 के दौरान उपलब्ध अवसर पर मिशन पूरा किए जाने की उम्मीद है।
  - (घ) शुक्र कक्षीय मिशन के लिए कुल स्वीकृत निधि 1236 करोड़ रुपये है, जिसमें से शुक्र कक्षीय मिशन (वीओएम) अंतरिक्ष यान पर 824 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।
  - (ङ) वर्ष 2028 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) का पहला मॉड्यूल और वर्ष 2035 तक पूर्ण रूप से प्रचालित बीएएस स्थापित करने की योजना है।
- (च), (छ) एवं (ज)

फिलहाल अंतरिक्ष में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रयोगशाला की स्थापना की परिकल्पना नहीं की गई है।

तथापि, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस), अन्य क्षेत्रों सहित विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष संबंधी विनिर्माण के क्षेत्र में बहु विषयक सूक्ष्मगुरुत्व परीक्षण और अध्ययन करने वाली पहली राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रयोगशाला होगी।

बीएएस वैश्विक और राष्ट्रीय सहयोग, चंद्र अन्वेषण एवं उससे आगे के प्रवेश द्वारा और देश की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में सहायता के लिए मंच के रूप में कार्य करेगा।

- (झ) गगनयान कार्यक्रम में संशोधन की हालिया मंजूरी के साथ, कार्यक्रम का दायरा भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस) के अग्रगामी मिशनों को शामिल करने के लिए विस्तारित किया गया है, जिसमें बीएएस (बीएएस-01) के पहले मॉड्यूल का विकास और प्रमोचन शामिल है। पहले से अनुमोदित कार्यक्रम में ₹11,170 करोड़ के शुद्ध अतिरिक्त निधिकरण के साथ, संवर्धित कार्यक्षेत्र सहित गगनयान कार्यक्रम का कुल संशोधित निधिकरण ₹20,193 करोड़ है।